पूर्वोत्तर भारत के रंग

शब्दार्थ

मूल—वास्तविक, सच्चे स्वरूप में
दुर्लभ—जो आसानी से प्राप्त न हो, जिसका मिलना कठिन हो
नस्ल—जाति, किस्म

अनूठी–अनोखी; जमघट–एकत्रित होना; हस्तशिल्प–हाथों द्वारा बनाया गया, शिल्प-कला; वनौषधि–वन में उपलब्ध औषधि जलवायु–वातावरण; हथकरघा–हाथों से चलाया जाने वाला बुनाई-कढ़ाई का उपकरण; रहस्यमयी–जिसके विषय में किसी को पता न हो, जिसे जाना न गया हो; उपमाएँ–जिन उदाहरणों द्वारा समानता या तुलना की जाए; बहुतायत–काफ़ी मात्रा में; व्यंजन–विशेष खाद्य पदार्थ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन की सबसे खास बात यह है कि एक बार यदि वहाँ की यात्रा पर निकला जाए, तो पूरे पूर्वोत्तर भारत की सैर एक साथ की जा सकती है।

2. असम चाय-बागानों, फल-फूल, वनस्पतियों, दुर्लभ नस्ल के गैंडों और यहाँ मनाए जाने वाले पर्वों के लिए प्रसिद्ध है।

3. महाराजा राधाकिशोर माणिक ने उज्जयंत महल बनवाया।

4. प्राकृतिक दृश्य, सुहानी जलवायु आदि त्रिपुरा के प्रमुख आकर्षण है। नीरमहल किला अपनी मुगलकालीन स्थापत्य-कला के लिए प्रसिद्ध है।

5. ईटा दुर्ग की मुख्य विशेषता यह है कि यह दुर्ग 80 लाख ईंटो से बना है।

6. दिमापुर नदी के किनारे बसे दीमापुर शहर को 'नागालैंड का प्रवेश-द्वार' कहा जाता है।

Date..................

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. नागालैंड का प्राकृतिक सौंदर्य व राफ्टिंग के लिए बेहतरीन स्थान माना जाता है। राज्य की राजधानी कोहिमा तथा मुख्य शहर दीमापुर को माना जाता है। वायु मार्ग और रेल-मार्ग से जुड़ा होने के कारण इसे राज्य का प्रवेश द्वार भी कहा जाता है। यहां फूलों की घाटी, जापफू पीक नामक पर्वत चोटी अत्यंत सुंदर दिखती है। नागा लोगों की वेशभूषा अलग है। ये लोग शिल्पकला मे दक्ष है।

लोग शिल्पकला में दक्ष हैं।

2. मिज़ोरम की जलवायु अत्यंत सुहानी है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, नृत्य आदि सबको बहुत भाती है। यहाँ के पहाड़ों मे वनौषधि, मसालों से लेकर विभिन्न किस्म के आर्किड भी मिल जाते हैं। डंपा अभयारण्य में बाघ, चीता आदि पाए जाते हैं। यहाँ के दर्शनीय स्थलों मे न्यू मार्केट, बर्मा लेन आदि है।

3. सिक्किम मे पर्यटकों को आकर्षित करने वाली अनेक विशेषताएँ हैं। यहाँ फूलों के त्योहार मनाए जाते हैं। यहाँ बौद्धमठ, स्तूप आदि पर्यटकों को आमंत्रित करते हैं। राज्य में पर्वत की ऊँची चोटी कंचनजंगा तथा गरम पानी के झरने हैं जो अपनी रोग निवारण क्षमता के लिए प्रसिद्ध है सिक्किम में हाथ से बने गलीचे टेबल आदि वस्तुएँ अधिक खरीदी जाती हैं।

4.) पूर्वोत्तर भारत के हर प्रांत में सभी तरह के भारतीय व्यंजन मिलते हैं। यहां सभी जनजातियों के भोजन बनाने के तरीके अलग-अलग हैं। त्रिपुरा और अरुणाचल में सब्जियों को उबालकर केवल तेल और नमक डाल देते हैं। वहीं सिक्किम और तिब्बत के खान-पान में काफ़ी समानता है। चिकन मोमो, पोर्क मोमो आदि व्यंजन प्रमुख हैं। 'छंग' सिक्किम वासियों का प्रिय पेय पदार्थ है।

पाठ को पुनः पढ़कर सही मिलान कीजिए–

खंड–क	खंड–ख
1 प्राकृतिक संपदा से भरपूर	त्रिपुरा 8
2 सुहानी जलवायु	नागालैंड 7
3 मेघों का घर	मणिपुर 4
4 पोलो सिखाने वाला	अरुणाचल 6
5 फूलों का प्रदेश	मिज़ोरम 2
6 सूर्योदय का प्रदेश	सिक्किम 5
7 अनूठी संस्कृति का धनी	मेघालय 3
8 उज्जयंत महल	असम 1

ऐसे ही निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए–

क. वन + औषधि = वनौषधि

ख. अरुण + अचल = अरुणाचल

ग. मेघ + आलय = मेघालय

घ. पूर्व + उत्तर = पूर्वोत्तर

ङ. सूर्य + उदय = सूर्योदय

Pg-28

2.)

तत्सम	तद्भव	देशज	विदेशी
दुर्लभ	हिरण		खूबसूरती
वन	व्यंजन		पैराडाइज़
विचित्र	जंगल		शाही
वेशभूषा	सुंदर		वाटरप्रूफ
मेघ			टेबल
वनौषधि			बखूबी
दक्ष			बेहतरीन
पर्यटक			इजाज़त
उज्जयंत			
वर्षा			

निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त उचित क्रिया-भेद पर सही का निशान लगाइए–

क. अरविंद ने पुस्तक उठाई।	सकर्मक क्रिया	✓	अकर्मक क्रिया	
ख. आशा सो रही है।	सकर्मक क्रिया		अकर्मक क्रिया	✓
ग. सुनीता फल खा रही है।	सकर्मक क्रिया	✓	अकर्मक क्रिया	
घ. महाराजा राधाकिशोर माणिक ने शाही उज्जयंत महल बनवाया।	सकर्मक क्रिया	✓	अकर्मक क्रिया	
ङ. वर्षा हो रही है।	सकर्मक क्रिया		अकर्मक क्रिया	✓

4. **निम्नलिखित वाक्यों को उसके कारक-भेद से मिलाइए–**

क. माता जी ने दीमापुर से ट्रेन पकड़ी।

ख. गंगा हिमालय से निकलती है।

ग. बाँस से बनी चूड़ियाँ लोगों को लुभाती हैं।

घ. स्टेशन से गाड़ी निकल गई।

ङ. हम गाड़ी से आए।

करण कारक ग, ङ

अपादान कारक क, ख, घ

यों का उल्लेख किया गया है, इस रिक्त मानचित्र

कार्य को छोटे-छोटे समूहों में मिल-जुलकर कीजिए।